कार्यक्रम की रूपरेखा

05.00 - 05.30 pm	पंजीकरण और स्वागत
05.30- 06.00 pm	उद्घाटन सत्र
06.00 - 06.15 pm	समाज सेवा प्रभाग की सेवाएं
06.15 - 07.00 pm	समाज के श्रेष्ठ परिवर्तन का आधार अध्यात्म
07.00 - 07.20 pm	राजयोग मेडिटेशन अनुभूति
07.20 - 07.45 pm	अतिथियों के मनोभाव
07.45 - 08.00 pm	समापन

राजयोग मेडिटेशन

ध्यान का एक ऐसा रूप जो समाज के सभी स्तर के लोगों के लिए सुलभ है। इसका अभ्यास 'खुली आँखों' से किया जाता है, जिससे यह ध्यान विधि बहुमुखी, सरल और अभ्यास में आसान हो जाती है।

इसके नियमित अभ्यास से मनुष्य को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्राप्त होता है। उसका मनोबल बढ़ता है, और वह जीवन में सच्चे सुख और शांति की अनुभूति करने लगता है।

सम्मेलन में कौन भाग ले सकता है?

- NGO प्रमुख / समाजसेवी / ट्रस्ट या फाउंडेशन के कार्यकर्ता
- स्वयंसेवी संगठन (Rotary, Lions, Giants, etc.) के सदस्य
- सामाजिक कार्यकर्ता, युवाओं या महिलाओं के लिए कार्य करने वाले
- पुलिस विभाग, पंचायत, या प्रशासनिक नेतृत्व से जुड़े अधिकारी
- CSR प्रमुख / HR heads / Corporate leaders जो समाजसेवा में रुचि रखते हैं
- डॉक्टर, शिक्षक, वकील, इंजीनियर, मनोवैज्ञानिक — जो समाज उन्नति में योगदान देना चाहते हैं
- कॉलेज प्रोफेसर, शिक्षाविद, विद्यार्थी नेता
- आध्यात्मिक संस्थाओं, धार्मिक संगठनों या मूल्य शिक्षा से जुड़े व्यक्ति
- समाज में बेहतर योगदान देने की भावना रखने वाले व्यक्ति

समाज में श्रेष्ठ परिवर्तन का आधार - अध्यात्म

16 नवम्बर 2025 | शाम 5 बजे से 8

पंजीकरण : jbpune.org/ssw

स्थान

ब्रह्माकुमारीज़ - जगदम्बा भवन मेडिटेशन एंड रिट्रीट सेंटर,
जगदम्बा भवन मार्ग, पिसोली, पुणे - 411060

आयोजक:

ब्रह्माकुमारीज़
जगदम्बा भवन

ब्रह्माकुमारीज़
समाज सेवा प्रभाग

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

www.jagdambabhawan.org
jagdambabhawan.pun@bkivv.org
+91 75680 40767
@ JagdambaBhawan

ब्रह्माकुमारीज़

ब्रह्माकुमारीज़ एक अंतरराष्ट्रीय सामाजिक-आध्यात्मिक संस्था है, जो आत्म-जागृति और ईश्वर-स्मृति के माध्यम से समाज में शांति, सद्भाव और मूल्यनिष्ठ जीवन की स्थापना के लिए कार्यरत है।

संस्था के सेवा प्रभागों द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन, मीडिया, उद्योग, कृषि और सामाजिक कल्याण के विविध क्षेत्रों में निस्वार्थ सेवाएँ दी जा रही हैं, जिनसे लाखों जीवनों में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

राजयोग ध्यान के माध्यम से ब्रह्माकुमारीज़ व्यक्ति के आंतरिक परिवर्तन से विश्व-परिवर्तन की दिशा में प्रेरणा देती है।

संस्था का मुख्यालय पांडव भवन, माउंट आबू (राजस्थान) में स्थित है।

वर्तमान में ब्रह्माकुमारीज़ की शाखाएँ 110 से अधिक देशों में कार्यरत हैं, जो आध्यात्मिकता के माध्यम से एकता, शांति और विश्व-कल्याण का संदेश दे रही हैं।

जगदम्बा भवन मेडीटेशन एंड रिट्रीट सेंटर

जगदम्बा भवन, ब्रह्माकुमारीज़ की यह शाखा, व्यक्तियों को उनकी वास्तविक आध्यात्मिक पहचान की समझ के आधार पर खुद को बदलने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो उनके मात्र भौतिक अस्तित्व से परे है। यह शांति और प्रत्येक आत्मा की व्यक्तिगत गरिमा की गहरी सामूहिक चेतना के विकास का समर्थन करता है।

3.5 एकड़ का यह परिसर, पुणे शहर की हलचल से 10 कि.मी. दूर शांतिपूर्ण परिवेश में स्थित है। यह सीखने और परिवर्तन के लिए उपयुक्त है तथा आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित भी है।

राजयोगिनी बी. के. संतोष दीदी

संयुक्त मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़
अध्यक्षा, समाज सेवा प्रभाग

राजयोगिनी बी. के. सुनंदा दीदी

संचालिका, मीरा सोसायटी सबज़ोन,
ब्रह्माकुमारीज़

समाज सेवा प्रभाग

समाज सेवा प्रभाग – ब्रह्माकुमारीज़ संस्था का एक विशेष विभाग है जो समाज के विभिन्न वर्गों में नैतिकता, मूल्य एवं आध्यात्मिकता के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करता है। यह प्रभाग सरकारी, गैर-सरकारी, सामाजिक संगठनों तथा सेवाभावी व्यक्तियों के साथ मिलकर जनजागृति, आत्म-सशक्तिकरण और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित करता है।

इसका उद्देश्य है – 'सेवा के माध्यम से समाज में शांति, सहयोग और आत्मिक उत्थान का वातावरण बनाना।'

अध्यात्म और सामाजिक सेवा का यह अद्भुत संगम, निस्वार्थ सेवा की भावना को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करता है

सम्मेलन का उद्देश्य

इस सम्मेलन का उद्देश्य है - समाज में स्थायी और श्रेष्ठ परिवर्तन के मूल कारण 'अध्यात्म' को पुनः जागृत करना।

जब प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर के दिव्य गुणों को पहचानकर आत्म-सम्मान, सकारात्मक सोच और निस्वार्थ सेवा का जीवन अपनाता है, तभी समाज में सच्ची श्रेष्ठता का उदय होता है।

आध्यात्मिकता व्यक्ति के विचार, व्यवहार और संस्कारों को श्रेष्ठ बनाती है, जो परिवार और समाज — दोनों में शांति और समरसता का आधार बनते हैं।

यह सम्मेलन इसी भावना को जागृत करने का प्रयास है कि — 'स्वयं में परिवर्तन ही समाज परिवर्तन का पहला कदम है।'